हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 296 देहरादून, बृहस्पतिवार, 23 मई 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16

चारधाम की तरह अब हरिद्वार के प्रमुख देव स्थलों में भी रील बनाना पर रोक, नियम लागू 3

केदारनाथ धाम : अब प्रतिदिन 20 घंटे होंगे दर्शन, भक्तों के सैलाब से बढ़ाना पड़ा समय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 23 मई : कपाट खुलने से अभी तक 20 मई को सबसे ज्यादा यात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन किए बीते दिन 37,480 श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचे। श्रद्धालुओं के इसी सैलाब को देखते हुए मंदिर समिति ने बाबा केदार के भक्तों के लिए दरबार खुलने का समय बढ़ाने का निर्णय लिया है।चार धाम यात्रा के कपाट खुलने के बाद से दिन-प्रतिदिन धाम पहुंचने वाले भक्तों की संख्या में भारी इजाफा हो रहा है। प्रत्येक दिन दर्शन करने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। बीकेटीसी ने मंदिर में बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए केदारनाथ धाम में बाबा केदार के दर्शन का समय बढ़ा दिया है अब से श्रद्धालुओं के लिए बाबा केदार का दरबार बीस घंटे खुला रहेगा। इस दौरान तीर्थयात्रियों को धर्म दर्शन के साथ श्रृंगार, आरती दर्शन के साथ ही विशेष पूजाओं का मौका दिया जा रहा है।

कपाट खुलने से अब तक 11 दिन बीत चुके हैं और अभी तक 3.19 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन कर लिए हैं जो पिछले साल की तुलना में अधिक है। 20 मई को सर्वाधिक श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम के दर्शन किए हैं जिसकी संख्या 37,480 है। भक्तों के सैलाब को देखकर मंदिर समिति ने यह फैसला लिया है।

1. सुबह 5 से अपराह्न 3 बजे तक धर्म दर्शन होंगे
2. अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक मंदिर सफाई, भोग की व्यवस्था
3. शाम 5 से पुन दर्शन, 7 बजे तक श्रृंगार दर्शन होंगे
4. शाम 7 से 9 बजे तक श्रृंगार आरती दर्शन होंगे
5. रात्रि 9 से 10 बजे तक मंदिर सफाई व्यवस्था होगी
6. रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक विशेष पूजाएं होंगी
7. सुबह 4 बजे से 5 बजे तक मंदिर सफाई होगी

केदारनाथ धाम में रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक विशेष पूजाएं होती हैं। हालांकि वर्तमान समय को ध्यान में रखते हुए केवल 15 मिनट की षोडषोपचार पूजा ही की जा रही है। अन्य पूजाओं के लिए पर्याप्त समय न होने के कारण वे नहीं हो पा रही हैं। रुद्राभिषेक पूजा के लिए 45 मिनट, महाभिषेक के लिए 1 घंटा, और पंचोपचार पूजा के लिए 30 मिनट का समय लगता है। यात्रियों की बड़ी संख्या को देखते हुए सबसे कम समय की पूजा, अर्थात षोडषोपचार पूजा ही की जा रही है।

केदारनाथ धाम में पहले गर्भगृह में यात्रियों के प्रवेश में कोई परेशानी नहीं होती थी। उस समय तीर्थपुरोहित यात्रियों को गणेश पूजा, गर्भगृह पूजा, स्वयंभू लिंग की पूजा, गर्भगृह की परिक्रमा, लक्ष्मी नारायण, पंच पांडव पूजा, ईशाणनेश्वर मंदिर पूजा, शंकराचार्य समाधि दर्शन आदि पूजन प्रक्रियाओं में शामिल करवाते थे। भीड़ कम होने के कारण यह व्यवस्था अच्छी तरह से संचालित की जाती थी। लेकिन अब प्रतिदिन रिकॉर्ड संख्या में यात्रियों के आने से यह संभव नहीं हो पा रहा है। इसलिए मंदिर में दर्शन की समयसीमा को बढ़ाया गया है।

उत्तराखंड : 6 पर्वतीय जिलों में होगी बारिश मैदानों में हीट वेव का सिलसिला जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 मई : मौसम विभाग ने पर्वतीय जिलों में कुछ जगहों पर हल्की बारिश की संभावना जताई है। जबकि मैदानी क्षेत्रों में सूरज की तपिश बेहाल करेगी। उम्मीद है कि 20 जून के आसपास मानसून उत्तराखंड में दस्तक दे सकता है।उत्तराखंड में इन दिनों मैदानी इलाकों में गर्मी कहर बरसा रही है। अधिकतर मैदानी क्षेत्रों में उमस भरी गर्मी से आमजन बेहाल है। शुष्क मौसम के बीच चटख धूप लोगों के पसीने छुड़ा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक मैदानी क्षेत्रों में फिलहाल मौसम शुष्क रहेगा। अभी तेज धूप और सामान्य तापमान में बढ़ोतरी होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अगले महीने जून में पारा 43 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की आशंका है। हालांकि 15 जून के आस-पास प्रदेश में प्री-मानसून की सम्भावना भी बनी है। यदि हवाओं की गति सही रही तो 20 जून तक मानसून उत्तराखंड में पहुँच सकता है।

मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून द्वारा जारी पूर्वानुमान में प्रदेश के छह पर्वतीय जिलों में गरज चमक के साथ बारिश-ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। इसके साथ ही इन जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी कर दिया गया है। वही मैदानी जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने के साथ ही मौसम शुष्क रहने की

आशंका है। राज्य के छह पर्वतीय जिलों चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा में कुछ जगहों पर तेज गर्जन के साथ हल्की बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है।राजधानी का तापमान चार दिनों से 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया जा रहा था।

बीते दिन देहरादून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री बढ़ोतरी के साथ 37.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं पंतनगर का अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस था। जबकि मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान 27.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस रहा। नई टिहरी का अधिकतम तापमान 27.6 और न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

गढ़वाल की नेहा भंडारी बनी नर्सिंग लेफ्टिनेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टिहरी गढ़वाल 23 मई : नेहा भंडारी ने राजकीय नर्सिंग कॉलेज सुरसिंगधार से बीएससी नर्सिंग की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में देशभर में कुल 198 सीटें निर्धारित थी जिसमें उन्हें 110वीं रैंक प्राप्त हुई।प्रदेश में जहां मूलभूत सुविधाओं को लेकर पलायन हो रहा है। वहीं पहाड़ों में रहकर बेटियां अपनी कामयाबी का लोहा मनवा रही हैं। यह कारनामा करके दिखाया है जनपद टिहरी की नेहा भंडारी ने। इनका चयन भारतीय सेना में नर्सिंग लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ है। यह सफलता नेहा को मिलिट्री नर्सिंग सर्विस की परीक्षा उत्तीर्ण करके प्राप्त हुई है।

नेहा भंडारी किसान बलवीर सिंह भंडारी और विमला देवी की पुत्री हैं और ये कुंजणी पट्टी के पिपलेथ (गणधार) निवासी हैं। इन्होने अपनी माध्यमिक शिक्षा नरेंद्रनगर स्थित गुरु राम राय स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद नेहा ने वर्ष 2023 में राजकीय नर्सिंग कॉलेज सुरसिंगधार से बीएससी नर्सिंग की डिग्री हासिल की।

नेहा ने मिलिट्री नर्सिंग सर्विस परीक्षा में 110वीं रैंक प्राप्त कर भारतीय सेना में नर्सिंग लेफ्टिनेंट पद पर अपनी जगह बनाई है। नेहा के दादा स्व. बचन सिंह भंडारी गढ़वाल राइफल से हवलदार रिटायर्ड हुए थे और ताऊ विजयपाल भंडारी भी इसी रेजीमेंट से सूबेदार रिटायर्ड हैं। उनकी इस सफलता से परिवार में ख़ुशी का माहौल है सभी ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है।

चारधाम यात्रा में सफाई का जिम्मा संभालेगी रोड़ स्वीपिंग मशीन

रुद्रप्रयाग। जनपद में चारधाम यात्रा में सफाई व्यवस्था और चाक चौबंध बनाने के लिए जिला प्रशासन के अथक प्रयासों के बाद रोड स्वीपिंग मशीन खरीदी गई है। बुधवार को जिलाधिकारी डॉ सौरभ गहरवार द्वारा रुद्रप्रयाग नगर में संबंधित अधिकारी कर्मचारियों से मशीन का ट्रायल कराया गया। जिसके बाद उन्होंने मशीन का शुभारंभ किया। सफल ट्रायल के बाद स्थानीय लोगों के साथ ही तीर्थयात्रियों ने मशीन आने पर खुशी जताई। चारधाम यात्रा में जनपद में विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की यात्रा संचालित होती है। ऐसे में रुद्रप्रयाग के साथ ही तिलवाड़ा, अगस्तयमुनि, चन्द्रापुरी, भीरी, गुप्तकाशी, फाटा, रामपुर, सीतापुर, सोनप्रयाग और गौरीकुंड में बड़ी मात्रा में गंदगी होती है। हालांकि स्वच्छता मित्रों द्वारा नियमित सफाई की जाती रही है किंतु अब और बेहतर और तकनीकी रूप से सफाई व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए रोड़ स्वीपिंग मशीन खरीदी गई।

गलत तरीके से पिएंगे पानी तो शरीर में लग जाएंगी कई भयंकर बीमारियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

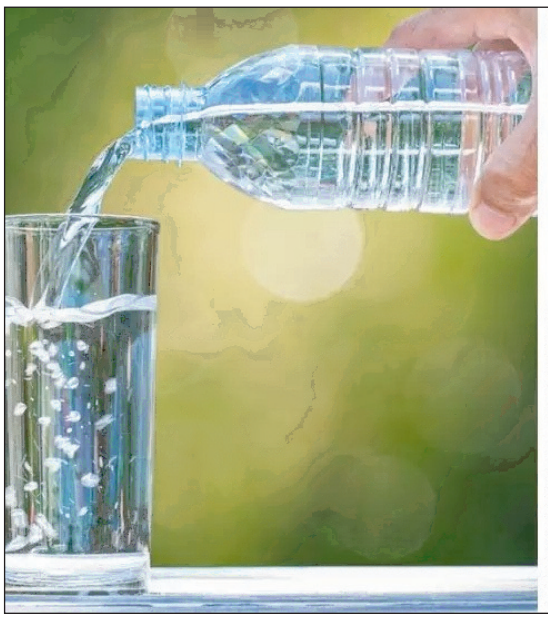

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : ये बात तो सब जानते हैं कि पानी पीना शरीर के लिए कितना जरूरी होता है। ये शरीर को सिर्फ हाइड्रेट ही नहीं रखता, बल्कि इसके हमारी फिजिकल हेल्थ पर भी काफी अच्छा असर होता है। लेकिन पानी पीने के भी कुछ नियम हैं, जो सभी को जरूर जानने चाहिए। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट की मानें, तो हर इंसान को पानी बैठकर ही पीना चाहिए।

डॉक्टर मोहित गुप्ता ने सोशल मीडिया के जरिये लोगों को बताया कि क्यों सभी लोगों को बैठकर ही पानी पीना चाहिए।उन्होंने लिखा- आयुर्वेदा के अनुसार, सही तरीके से पानी पीना बेहद जरूरी है। अगर इसके फायदे उठाने हैं तो पानी पीने का तरीका जरूर मालूम होना चाहिए। हर किसी को पानी सिर्फ बैठकर ही पीना चाहिए। इसके बाद डॉक्टर ने खड़े होकर पानी ना पीने के कारण भी स्पष्ट किए। खड़े होकर क्यों ना पिएं पानी? उन्होंने कहा कि अगर आप खडे होकर पानी पीते हैं तो इसका फोर्स और स्पीड सीधे फूड कनाल से होकर गुजरता है, जो काफी तेज होता है। ये नुकसानदेह होता है क्योंकि सीधे पेट में गिरता है।

परिणामस्वरूप शरीर सारे टॉक्सिन्स को सही तरीके से बाहर नहीं निकाल पाता और खाना पचाने की प्रक्रिया पर इसका सीधा असर देखने को मिलता है।जान लीजिये ये जरूरी बातें इसके बाद डॉक्टर ने खड़े होकर पानी पीने के और भी नुकसान गिनाए। उन्होंने कहा कि खड़े होकर पानी पीने से फेफड़ों को भी नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही किडनी से संबंधित समस्याएं भी जन्म ले सकती हैं। इसलिए हर किसी को पानी पीते समय बैठना चाहिए। इसके साथ ही एक ही बारी में पूरी बोतल पानी भी खत्म नहीं करनी चाहिए। सही तरीके से पानी पीना है जरूरी बताते चलें कि पानी पीने के फायदों के साथ इसे सही तरीके से पीना आना भी चाहिए। पानी को गलत तरीके से पीने पर इसके बुरे परिणाम भी होसकते हैं। कई लोग पानी तो एकदम सही मात्रा में पीते हैं लेकिन सही तरीका ना मालूम हो पाने की वजह से ये शरीर में अन्य दिक्कतें भी पैदा कर सकता है। इसलिए हमेशा किसी भी तरह की परेशानी होने पर अपने डॉक्टर से जरूर संपर्क करें।

भारत में यहां इंसानों की तरह जानवरों को भी मिलती है संडे की छुट्टी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : भारत के गांवों में आज भी सैकड़ों साल पुरानी परंपराएं जीवित हैं। इन परंपराओं का निर्वहन न सिर्फ आज के लोग बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी कर रही हैं। झारखंड के लातेहार गांव में एक बहुत ही अनोखी परंपरा निभाई जाती है। इस परंपरा के बारे में जानकर आप अपना दिल हार बैठेंगे। हर किसी को काम के बीच में छुट्टी की दरकार होती है। इससे उसकी शारीरिक क्षमता पर अच्छा प्रभाव तो पड़ता ही है, इसके साथ ही उसकी मानसिक स्थिति भी अच्छी होती है। इसी को देखते हुए झारखंड में इंसानों की तरह पशुओं को भी 1 दिन की छुट्टी दी जाती है।

गांव के लोग कहते हैं कि उनके पूर्वजों द्वारा यह परंपरा लगभग 100 साल पहले शुरू की गई थी। 100 साल पूरे होने के बाद इसका पालन आज भी गांव के लोग कर रहे हैं। यहां के लोग मानते हैं कि जिस तरह इंसानों को लगातार काम के बाद छुट्टी चाहिए होती है, उसी तरह जानवरों को भी काम से ब्रेक चाहिए होता है। इस कारण गांव के लोग संडे के दिन जानवरों से कोई काम नहीं लेते हैं। जिस तरह मनुष्यों को अपने सुख - सुविधाओं का ख्याल रहता है, वैसे ही यहां के लोग पशुओं के सुख - सुविधाओं का पूरा ख्याल रखते हैं। लातेहार में रविवार के दिन पशुओं को अवकाश दिया जाता है। इस दिन उनसे किसी भी प्रकार का काम नहीं करवाया जाता। ग्रामीणों की मानें तो पशुओं को भी आराम की जरूरत है। दरअसल, करीब 100 साल पहले खेत में काम करते समय गांव के एक बैल की मौत हो गई थी। इसके बाद ही गांव वालों ने निष्कर्ष निकाला कि मवेशियों से काम तो करवाया जाएगा, लेकिन हफ्ते में एक दिन उन्हें आराम दिया जाएगा। इसके बाद हरखा, ललगड़ी, मोंगर और पकरार गांवों में यह चलन देखने को मिलता है।

इस रेस्टोरेंट में मोटे लोगों की एंट्री पर है पाबंदी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : दुनिया में विचित्र जगहों की कोई कमी नहीं.जब इनके बारे में लोगों को पता चलता है तो हैरान रह जाते हैं. सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि आखिर ऐसा भी हो सकता है, आज हम एक ऐसे ही जगह के बारे में आपको बताने जा रहे हैं. क्या आप एक ऐसे रेस्टोरेंट की कल्पना कर सकते हैं जहां जाने के लिए लोगों को सारे कपड़े उतारने पड़े, शायद नहीं. मगर दुनिया में एक ऐसा रेस्टोरेंट है, जिसके नियम बेहद अजीबोगरीब हैं. यहां मोटे लोगों की एंट्री पर भी पाबंदी है। बेहद क्रूर नियमों वाला यह रेस्टोरेंट जापान की राजधानी टोक्यो में खुला है.

इस रेस्टोरेंट की न्यूड थीम नहीं बल्कि यहां एंट्री करने के नियम काफी चौंकाने वाले हैं. दरअसल, यहां आने वाले मेहमानों को पहले अपना वजन करना होता है. अगर वे ज्यादा मोटे पाए गए, तो उन्हें प्रवेश नहीं मिलता. इतना ही नहीं, अगर आपके शरीर पर टैटू या गोदना होगा तो आप प्रवेश नहीं कर पाएंगे. दिलचस्प बात इसका नाम 'द अमृत' रखा गया है जो भारतीय नाम की तरह लगता है। इसके मुताबिक,सिर्फ 18 से 60 साल की उम्र के बीच के लोग ही प्रवेश कर सकेंगे और उससे पहले उन्हें अपने कपड़े जमा कराकर रेस्टोरेंट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले कागज के बने अंडर गारमेंट पहनने होंगे. यहां का वेटर और स्टाफ भी आपको उन्हीं ड्रेस में नजर आएगा. इसमें यह भी लिखा है कि अगर आपका वजन आपके कद के औसत वजन की तुलना में 15 किलो या उससे ज्यादा पाया गया तो आपको इजाजत नहीं दी जाएगी.अगर आप दिखने में ज्यादा वजनी लगे, तो आपका वजन तौला भी जा सकता है।

भारत के कभी ना सोने वाले शहर के बारे में जानते आप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : देखने में भारत की हर जगह कितनी हसीन लगती है ना? यहां की खूबसूरती का मुकाबला तो विदेशी जगहों से भी नहीं है। बल्कि देश में ऐसे कई स्थान हैं, जिनके नाम फॉरेन प्लेसेस से जोड़ दिए गए हैं, जैसे कूर्ग को स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया कहते हैं, तो वहीं दार्जीलिंग को स्विट्जरलैंड ऑफ इंडिया कह देते हैं। ऐसे ही और शहर भी हैं, जिन्हें उनके कई नामों से जाना जाता है। आज हम आपको एक ऐसे शहर के बारे में बताने वाले हैं, जिसे कभी ना सोने वाले शहर के रूप में जानते हैं। वैसे ये लाइन तो आपने मुंबई नगरी के लिए सबसे ज्यादा सुनी होगी, लेकिन ये टैग दक्षिण के एक शहर को भी दिया गया है। चलिए बताते हैं, कौन सा शहर है वो।

शायद आप चौक जाएं, लेकिन भारत के तमिलनाडु राज्य के मदुरै शहर को कभी ना सोने वाला शहर कहते हैं। इस शहर को प्राचीन मंदिरों का शहर भी कह सकते हैं, जहां कई खूबसूरत ऐतिहासिक मंदिर मौजूद हैं। ऐसा बताया जाता है कि भारत के इस शहर का इतिहास करीबन 25,00 साल जितना पुराना है। साथ ही व्यावसायिक और राजनीतिक केंद्र के हिसाब से ये तमिलनाडु राज्य का काफी महत्वपूर्ण शहर भी है। यहां आपको कई मुख्य आकर्षण देखने को मिल जाएंगे, यहां का मीनाक्षी मंदिर देखने लायक जगहों में आता है, जिसके ऊंचे गोपुरम यहां आने वाले पर्यटकों को काफी आकर्षित करते हैं।

दक्षिण भारत के इस शहर को मथुरा के अलावा कूडल मानगर, तुंगा नगर भी कहते हैं, मतलब कभी ना सोने वाली जगह, यही नहीं, इसे पूर्व का एथेंस और मल्लिगाई मानगर यानी मोगरे की नगरी भी कहते हैं। कुछ लेखों में इसके नाम को लेकर भी अलग-अलग कहानियां फेमस है। अगर इसके नाम मदुरै की बात की जाए, तो स्थानीय लोग इसे तेन मदुरै कहते हैं, जिसका हिंदी में मतलब दक्षिण का मथुरा है। कुछ लेखों में ये भी बताया जाता है कि भगवान शिव की जटा से निकली धारा मधुर होने से मधुरा या फिर पांच भूमि के टाइप में से मरुदम के नाम पर इसका नाम रखा गया है।

दक्षिण भारत का ये शहर शिक्षा का केंद्र भी है, यहां शुद्ध तमिल भाषा बोलते हैं, साथ ही इस शहर को मंदिर का शहर भी कहा जाता है। इतिहास की बात की जाए, तो इस शहर में पाण्ड्य राजाओं का भी शासन रहा। यही नहीं, चोल वंश में भी यहां पांड्य राजाओं ने शासन किया था।

हरिद्वार : चारधाम की तरह अब हरिद्वार के प्रमुख देव स्थलों में भी रील बनाना पर रोक, नियम लागू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : युवाओं में बढ़ती रील बनाने की क्रेज को लेकर धार्मिक स्थालों के व्यवस्थापक भी परेशान हो गए हैं। हालत यह है कि पहले श्रीगंगा सभा ने रील बनाने पर आपत्ति जताई वहीं अब मनसा देवी ट्रस्ट और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने भी मंदिर परिसर में रील बनाने पर रोक लगा दी है। सोमवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि यदि मंदिर परिसर में रील के चक्कर में अव्यवस्था फैलाने की कोशिश की गई तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

धर्मनगरी में बढ़ती भीड़ को लेकर शहर के गली कूचे जाम की चपेट में हैं। होटल, धर्मशाला और अन्य आश्रय भी पूरी तरह पैक हो चुके हैं। प्रमुख शक्तिपीठ मनसा देवी मंदिर, चंडी देवी मंदिर, दक्षिण काली और कनखल स्थित दक्ष प्रजापति मंदिर समेत अन्य मंदिरों में भी दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

इन मंदिरों में दर्शन पूजन का दौर तो जारी है, इसके अलावा एक वर्ग केवल रील बनाने में आतुर दिखता है। रील बनाने के चक्कर में जहां बढ़ती भीड़ के दौरान केवल दर्शन पूजन के बाद निकास की व्यवस्था है वहां पर रुकने और वीडियो बनाने वाले दुर्व्यवस्था का कारण बन रहे हैं।स्थिति यह रही कि मनसा देवी और चंडी देवी मंदिरों में रोपवे संचालन को लेकर काफी परेशानी हुई। तीन घंटे से अधिक समय तक रोपवे की वेटिंग रही। वहीं कई-कई बार मंदिर से भीड़ कम करने के लिए रोपवे को वनवे भी करना पड़ा।रोपवे संचालन कर रही ऊषा ब्रेको कंपनी के आरएम मनोज कुमार डोबाल ने बताया कि प्रशासनिक स्तर से बढ़ती भीड़ को देखते हुए समय-समय पर निर्देशित किया जाता है। इस पर मंदिर परिसर से रोपवे को वनवे करना पड़ रहा है।

पौड़ी : विजिलेंस टीम ने रिश्वत लेते हुए वन दरोगा को रंगे हाथ किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी गढ़वाल 23 मई : शिकायतकर्ता ने सतर्कता अधिष्ठान के टोल फ्री न0 1064 पर शिकायत करके रिश्वत लेने की सूचना दी। आरोप सही पाए जाने पर सतर्कता विभाग ने ट्रैप में फंसाकर अधिकारी को 15 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। करप्शन पर नकेल कसने के लिए विजलेंस लगातार राज्य के अलग-अलग जनपदों में कार्रवाई करते हुए करप्ट सरकारी कर्मचारी और अधिकारियों को पकड़ रही है। इसी कड़ी में विजिलेंस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। विजिलेंस की टीम ने पौड़ी के चाकीसैंण सैक्सन पावौ रेन्ज के वन दरोगा को सरकारी कार्य की एवज में 15000 रू0 रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता ने विजलेंस के टोल फ्री न0 1064 पर शिकायत दर्ज की थी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि 2 मार्च 2024 को पैठाणी के वन पंचायत पाबो में एक सभा आयोजित हुई जिसमें वन पंचायत के अन्तर्गत आने वाले ग्राम सभाओं के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लोगों को मुर्गी

पालन, बकरी पालन आदि कार्यो के लिए विभागीय अनुदान दिए जाने के सम्बन्ध में जानकारी दी गई थी। शिकायतकर्ता द्वारा आवेदन करने के पश्चात 50 हजार रुपए खाते में प्राप्त कर लिए गए थे। वन दरोगा हंस राज पंत द्वारा शिकायतकर्ता से उक्त सम्बन्ध में फार्म आदि भरवाने तथा विभागीय अनुदान पास करवाने की एवज में रिश्वत की मांग की जा रही थी, लेकिन वह रिश्वत नहीं देना चाहता था।

शिकायतकर्ता भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना चाहता था। इसलिए उसने विजलेंस को इसकी सूचना दी। सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर देहरादून द्वारा गोपनीय जांच किए जाने व प्रथम दृष्टया आरोप सही पाये जाने पर तत्काल ट्रैप टीम का गठन किया।

टीम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आज 21 मई को चाकीसैंण सैक्सन पावौ रेन्ज पौड़ी के वन दरोगा हंस राज पंत को शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पैठाणी बाजार में रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है तथा अभियुक्त से पूछताछ जारी है।

उत्तराखंड : पहाड़ में नशा बेचता था पूरा परिवार, लाखों की स्मैक के साथ हुआ गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 23 मई : आरोपी युवक यूपी के बहेड़ी से स्मैक खरीदकर लाया था। आरोपी का बड़ा भाई भी वर्तमान में हल्द्वानी जेल में बंद है और उसकी बहन भी नशा बेचती पकड़ी गई जो जेल में बंद थी लेकिन वो अभी जमानत पर बाहर है।हल्द्वानी पुलिस के हाथ एक बड़ी सफलता लगी है यहाँ पर एक परिवार लम्बे समय से नशे के कारोबार में लिप्त था। पुलिस पूर्व में परिवार के दो सदस्यों को जेल भी भेज चुकी है।

आज एसओजी और बनभूलपुरा पुलिस की टीम ने गफूर बस्ती में रहने वाले एक युवक को

32.36 ग्राम स्मैक के साथ हल्द्वानी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है।आज दोपहर रेलवे स्टेशन पर एसओजी और बनभूलपुरा पुलिस सादी वर्दी में तैनात थी। इस बीच चेकिंग के दौरान वार्ड नंबर 24 गफूर बस्ती निवासी 25 वर्षीय शोएब सिद्दीकी को पकड़कर तलाशी ली गई तो उसके पास से 32.36 ग्राम स्मैक बरामद हुई। उसने बताया कि वह एक अन्य युवक के साथ बरेली जिले के बहेड़ी से स्मैक खरीदकर ला रहा था।

स्मैक की कीमत करीब 1.61 लाख रुपये है। पुलिस दूसरे आरोपी को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है।पुलिस ने बताया कि आरोपी शोएब का बड़ा भाई अमन पिछले हफ्ते ही नशे के इंजेक्शन के साथ पकड़ा गया था और अभी वह हल्द्वानी जेल में बंद है। उसकी बहन भी नशे के इंजेक्शन बेचती पकड़ी गई थी और वह अभी जमानत पर जेल से बाहर है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

यूजीसी सचिव प्रो जोशी ने श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर का भ्रमण किया

नई टिहरी। यूजीसी के सचिव प्रो. मनीष आर जोशी ने बुधवार को केंद्रीय संस्कृत विवि के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग और गढ़वाल विवि के चौरास परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाएं परखीं। दोनों विवि परिसरों की प्रगति और सुविधाओं पर उन्होंने संतोष जताया। बुधवार को प्रो. जोशी ने देवप्रयाग में गंगा स्नान के बाद श्री रघुनाथ भगवान, चंद्रवदनी और धारी देवी मंदिर के दर्शन भी किये। रघुनाथ कीर्ति परिसर निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने यूजीसी सचिव प्रो. जोशी को परिसर पुस्तकालय, सभागार और प्रशासनिक भवन का भ्रमण करवाया। कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी के साथ परिसर में छात्रों की संख्या, छात्रावास, भोजन व्यवस्था, पुस्तकालय, पाठ्यक्रम इत्यादि पर चर्चा की गई। एचएनबी गढ़वाल विवि के चौरास परिसर में प्रो. जोशी का प्रति कुलपति प्रो. आरसी भट्ट व अन्य प्रोफेसरों ने स्वागत किया गया। प्रति कुलपति प्रो भट्ट ने यूजीसी सचिव का ग्रेजुएशन की सीयूईटी परीक्षा को ऑफलाइन करने पर आभार जताया । उन्होंने कहा कि ऑनलाइन परीक्षा होने से विश्वविद्यालय को काफी कठिनाई होती थी। क्योंकि छात्रों की संख्या बहुत अधिक होती थी। विश्वविद्यालय के पास पर्याप्त संसाधन न होने व नेटवर्क चले जाने से काफी दिक्कतें होती थी। यूजीसी सचिव से उन्होंने सीईयूटी पीजी में भी यही व्यवस्था बनाने का अनुरोध किया। यूजीसी सचिव प्रो जोशी ने चौरास परिसर की रसायन विज्ञान विभाग की कार्यशाला में छात्रों को भी संबोधित किया। प्रो. जोशी ने प्रति कुलपति प्रो भट्ट को विवि की सभी समस्याओं का समाधान किये जाने का पूरा आश्वासन दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

लोकल वाहनों को जगह-जगह पर न रोका जाए

श्रीनगर गढ़वाल। अलकनंदा कमाण्डर टैक्सी समिति ने बुधवार को यात्रा सीजन में शासन-प्रशासन द्वारा जगह-जगह पर वाहन रोके जाने पर रोष व्यक्त किया है। इस संदर्भ में समिति ने पुलिस प्रशासन के माध्यम से उपजिलाधिकारी श्रीनगर नुपूर वर्मा को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में अलकनंदा कमाण्डर टैक्सी समिति के अध्यक्ष बीरेंद्र सिंह रावत, सचिव विक्रम सिंह गुसांई, कोषाध्यक्ष देवेंद्र मिश्रा ने कहा कि अलकनन्दा कमाण्डर टैक्सी समिति श्रीनगर से देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार, उत्तरकाशी, टिहरी, घनसाली एवं लोकल कीर्तिनगर, श्रीनगर एवं ब्रांच रूटों पर संचालित होती है।साथ ही वाहन इन रुटों से श्रीनगर वापसी करते हैं। कहा कि चारधाम यात्रा को देखते हुए वाहनों को जगह-जगह रोके जाने से लोकल सवारियों का आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि घंटों वाहनों को रोके जाने से श्रीनगर से अपने गांव जाने के लिए समय के अभाव होने के कारण राहगीरों को रात स्टेशनों पर ही गुजारनी पड़ रही है,जिससे समिति का संचालन व्यवस्था वाधित हो रही है और ब्रांच रूटों पर वाहन उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं। उन्होंने ब्रांच रूटों को समिति के वाहनों पर संचालन सुचारू रूप से संचालित किये जाने की मांग की है।

अनियंत्रित बोलेरो ने मारी टक्कर, एक व्यक्ति घायल

श्रीनगर गढ़वाल। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बांसवाड़ा के पास एक अनियंत्रित जीप ने बुधवार को चाय की दुकान पर खड़े एक व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुनील रावत ने बताया कि श्रीकोट से श्रीनगर की ओर जा रही एक जीप अनियंत्रित होकर दुकान पर चाय पी रहे एक व्यक्ति से टकरा गई। जिन्हें 108 के माध्यम से बेस अस्पताल श्रीकोट ले जाया गया। बताया कि घटना में तैयब पुत्र असगर निवासी ग्राम नेनेडा थाना गागलहेड़ी जनपद सहारनपुर के सिर सहित शरीर के अन्य भागों में चोट आयी है।घायल का इलाज बेस चिकित्सालय में चल रहा है। घायल कबाड़ी का काम करता है।

गुलदार को आदमखोर घोषित करने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल। भाजपा नेता और आरटीआई कार्यकर्ता कुशलानाथ ने बुधवार को एक सप्ताह के अंदर दो बच्चों पर हमला करने वाले गुलदार को अदमखोर घोषित करने की मांग की है। इस संदर्भ में उन्होंने जिलाधिकारी को ईमेल के माध्यम से ज्ञापन भेजा। कहा कि बीते एक सप्ताह के भीतर गुलदार ने एक तीन वर्षीय सूरज को मार डाला था। जबकि बीते मंगलवार को श्रीकोट की चार वर्षीय अधीरा को हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्होंने गुलदार को नरभक्षी घोषित किये जाने की मांग की है।

बागवान में ट्राला और सूमो की भिड़ंत में 10 घायल,1 रेफर

श्रीनगर गढ़वाल। ऋषिकेश- बदरीनाथ राजमार्ग पर बागवान के पास बुधवार सुबह पांच बजे एक वाहन और ट्राला ट्रक की आपसी भिड़ंत हो गई। इसमें 11 लोग घायल हो गये। कोतवाली प्रभारी कीर्तिनगर देवराज शर्मा ने बताया कि बुधवार सुबह पांच बजे करीब आकांक्षा होटल बागवान के पास वाहन और लोडेड ट्राला ट्रक की आमने -सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। जिसमें वाहन में सवार 11लोगों के घायल होने की सूचना पर उन्हें 108 एम्बुलेंस के माध्यम से बेस चिकित्सालय श्रीकोट भिजवाया गया। बेस चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक अजेय विक्रम सिंह ने बताया कि आपसी भिड़ंत में घायल 11 लोगों में से 10लोगों की स्थिति प्राथमिक उपचार देने के बाद ठीक है,जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।

वेपन्स पुलिस फोर्स का एक महत्वपूर्ण अंग : आईजी

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर में 20 वीं प्रादेशिक शूटिंग प्रतियोगिता बुधवार को एसएसबी फायरिंग रेंज में शुरू हो गई है। प्रतियोगिता में जनपद पुलिस की 7, पीएसी एवं वाहिनीयों की 5, एटीएस 1 कुल 13 टीमों के लगभग 150 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। बुधवार को तीन दिनों तक चलने वाली प्रतियोगिता का शुभारंभ पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र करन सिंह नगन्याल ने किया। आईजी करन सिंह नगन्याल ने सभी प्रतिभागियों को खेल को खेल भावना से प्रतिभाग करने की शपथ दिलाई। मौके पर मुख्य अतिथि आईजी करन सिंह नगन्याल ने कहा कि वेपन्स पुलिस फोर्स का एक महत्वपूर्ण अंग है व शूटिंग प्रतियोगिता खेल का एक अहम हिस्सा है। कहा कि शूटिंग प्रतियोगिता में सुरक्षा के साथ-साथ मजबूत पकड़ एवं एकाग्र मन होना चाहिए, तभी प्रतिभागी कुशल फायरर बन सकता है। कहा कि शूटिंग प्रतियोगिता में पुलिस के अच्छे शूटर आगे आयेंगे और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर उत्तराखंड पुलिस का नाम रोशन करेंगे। मौके पर प्रतियोगिता के सचिव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह ने कहा कि पुलिस कर्मियों को शस्त्र संचालन में कुशल होना चाहिए। कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत रहे, इसके लिए उत्तराखण्ड पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड द्वारा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। उत्तराखण्ड पुलिस स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा जारी खेलों की वार्षिक कैलेण्डर समय सारणी के अनुसार जनपद एवं वाहिनियां खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अपनी दक्षता, निपुणता एवं खेल भावना का परिचय देते हुए खेलों के दौरान उच्च स्तर का अनुशासन बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर एसपी ज्या बलूनी,अपर पुलिस अधीक्षक संचार अनूप काला, पुलिस उपाधीक्षक सदर पौड़ी अनुज कुमार,पुलिस उपाधीक्षक श्रीनगर रविन्द्र कुमार चमोली,प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर होशियार पंखोली मौजूद थे।

30 जून तक हल नहीं निकाला तो होगा मुख्यमंत्री आवास कूच : सूर्यकांत धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 मई : मलिन बस्तियों को मालिकाना हक देने की मांग को लेकर मलिन बस्ती के लोगों का हुजूम सड़कों पर उतर आया। उत्तराखंड मलिन बस्ती विकास परिषद व महानगर कांग्रेस के आह्वान पर देहरादून की विभिन्न मलिन बस्तियों के हजारों लोग प्रातः प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एकत्रित हुए व तत्पश्चात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं उत्तराखंड मलिन बस्ती विकास परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना तथा महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में नगर निगम के लिए कूच किया। मलिन बस्तियों को मालिकाना हक देने और मलिन बस्तियों को उजाड़ने के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए मलिन बस्ती वासी राजपुर रोड से होते हुए दर्शन लाल चौक से नगर निगम देहरादून पहुंचे जहां काफी देर तक प्रदर्शन किया गया व सभा आयोजित की गई। अपने संबोधन में भारतीय जनता पार्टी पर गरीबों के साथ वादाखिलाफी का आरोप जड़ते हुए धस्माना ने कहा कि जब जब प्रदेश में या स्थानीय निकायों में भाजपा सरकार बनती है तब तब गरीबों पर आफत आती है।

उन्होंने कहा कि २०१२ में राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी तो गरीबों वा मलिन बस्ती के लोगों से मालिकाना हक का को वायदा कांग्रेस ने किया था उसके अनुरूप मलिन बस्तियों को मालिकाना हक देने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत जी ने बाकायदा एक समिति बनाई और उस समिति की रिपोर्ट की संस्तुति पर मलिन बस्तियों को मालिकाना हक देने के लिए नियम कानून बनाए वा जब लोगों को मालिकाना हक देने की प्रक्रिया शुरू की किंतु २०१७ में राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और उसने इस प्रक्रिया को रोक दिया और वर्ष २०१८ में एक पीआईएल पर माननीय उच्च न्यायालय के एक आदेश की आड़ ले कर राज्य भर में मलिन बस्तियों को उजाड़ने की साजिश शुरू कर दी जिसका कांग्रेस ने डट कर विरोध किया व मुख्यमंत्री आवास कूच किया तो राज्य की सरकार आनन फानन में एक अध्यादेश ले आई और तब से समय समय पर मलिन बस्तियों के लोगों को डराया जाता है और चुनावों में मालिकाना हक़ देने का वायदा करती है किंतु चुनावों के बाद मलिन बस्तियों की कोई सुध नहीं लेती।

धस्माना ने कहा कि हम सरकार को दो टूक यह कहने आए हैं कि मलिन बस्तियों को मालिकाना हक देने के कानून पर अमल करो और अगर सरकार ने ० दिन में मलिन बस्तियों के मालिकाना हक के मामले में निर्णय नहीं लिया तो उत्तराखंड मलिन बस्ती विकास परिषद राज्य व्यापी आंदोलन करेगी व विधानसभा और मुख्यमंत्री आवास कूच किया जाएगा। धस्माना ने कहा कि देहरादून की सभी मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों में दहशत और भ्रम पैदा हो गया है क्योंकि कुछ बस्तियों में निशान लगाए जा रहे हैं यह कह कर कि २०१६ के बाद बसे लोगों को हटाया जाएगा जबकि कई ऐसे मकानों पर भी निशान लगाए गए हैं जो २००० से भी पहले के बने हुए हैं। धस्माना ने आरोप लगाया कि भाजपा के इशारे पर आज के कार्यक्रम को फेल करने के लिए विभिन्न थानों की पुलिस ने अपने क्षेत्र की बस्ती के लोगों को रैली में नहीं जाने को कहा और हद तो यह हो गई कि २४ घंटे पूर्व कार्यक्रम की सूचना जिलाधिकारी को लिखित में देने के बावजूद सुबह तक कार्यक्रम की लिखित अनुमति नहीं दी गई और पुलिस के अधिकारी कुछ निकालने पर मुकदमा कायम करने की धमकी देते रहे।

धस्माना ने कहा कि मलिन बस्ती वासियों और गरीब लोगों के लिए उनके ऊपर एक नहीं सौ मुकदमे भी दर्ज कर लिए जाएं तो उनको परवाह नहीं वे मलिन बस्तियों के मालिकाना हक़ की लड़ाई लड़ते रहेंगे। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा मलिन बस्तियों के लोगों की लड़ाई लड़ती रही है और अधिकांश मलिन बस्तियां कांग्रेस द्वारा ही बसाई गई हैं इसलिए इनके ऊपर जब भी कोई मुसीबत आती है तो कांग्रेस सबसे पहले आवाज उठाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मलिन बस्तियों को उजाड़ने की को साजिश कर रही है उसको कांग्रेस किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगी। महिला कांग्रेस अध्यक्ष वा राजपुर पार्षद उर्मिला थापा ने कहा कि देहरादून की चालीस प्रतिशत आबादी मलिन बस्तियों में रहती है उनको मालिकाना हक देने की शुरुआत कांग्रेस राज में हुई थी किंतु जब से आई मलिन बस्तियों पर उनकी कुदृष्टि पड़ी है। प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्ण सिंह रावत ने कहा की कांग्रेस पार्टी धस्माना के नेतृत्व में मलिन बस्तियों की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाएगी। पार्षद इलियास अंसारी ने कहा कि भगत सिंह कालौनी और रिसपना तथा बिंदाल नदियों के किनारे बसी मलिन बस्तियां पांच पांच दशक पुरानी हैं उनके मकानों पर भी निशान लगाए जा रहे हैं। पार्षद अर्जुन सोनकर ने कहा की कांग्रेस पूरी शिद्दत के साथ मलिन बस्तियों की लड़ाई लड़ेगी। पार्षद नीनू सहगल ने कहा कि हरीश रावत जी के मुख्यमंत्रित्व काल में जो समिति बनी थी उसके सदस्य के रूप में हमने जो कानून बनवाया था उसको भाजपा सरकार ने निष्प्रभावी कर दिया। पार्षद सुमित्रा ध्यानी ने कहा की आज भाजपा राज में मलिन बस्तियों में पानी वा बिजली के नए कनैक्सन नहीं दिए जा रहे। प्रदर्शन वा सभा के पश्चात धस्माना वा डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी ने मुख्य नगर आयुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्ण सिंह रावत,महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सुनीता प्रकाश, निवर्तमान पार्षदों में नीनू सहगल,उर्मिला थापा,अमित भंडारी,मुकीम अहमद, एतात खान,सुमित्रा ध्यानी,अर्जुन सोनकर,सविता सोनकर,इलियास अंसारी, संगीता गुप्ता पूर्व पार्षदों में प्रमुख रूप से जगदीश धीमान, ललित भट्टी,राजेश उनियाल,राजेश पुंडीर,अरुण वाल्मीकि,दिनेश कौशल,विपुल नौटियाल, अरविंद शर्मा, अनिल शर्मा, आनंद सिंह पुंडीर और विभिन्न मलिन बस्तियों से राइस फातिमा, अनिता दास,शुभम सैनी, संजय भारती,पुरषोत्तम रावत,मनमोहन शर्मा,सावित्री थापा,घनश्याम वर्मा,अनुज दत्त शर्मा,आलोक मेहता, मगन सिंह पुंडीर, सलीम अंसारी, अवधेश कथिरिया,इजहार,जगपाल शर्मा,सोनू काजी, अमीचंद सोनकर,रवीश जमाल समेत हजारों की संख्या में मलिन बस्ती वासी उपस्थित रहे।

रुड़की : पुलिसकर्मी बनकर महिला से OLX पर धोखा, स्कूटी बेचने का झांसा देकर ठग लिए हजारों

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की 23 मई : ओएलएक्स पर स्कूटी बेचने का झांसा देकर एक महिला से साइबर ठग ने पुलिसकर्मी बनकर 33 हजार रुपये ठग लिए हैं। महिला ने इसकी शिकायत पुलिस को दी है जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।गंगनहर कोतवाली क्षेत्र निवासी पूनम ने ओएलएक्स पर एक पुरानी स्कूटी का विज्ञापन देखा। जहाँ पर स्कूटी की कीमत 38 हजार रुपये बताई गई थी। महिला ने विज्ञापन में दिए गए नंबर पर फोन किया और फिर विक्रेता ने बताया कि वह दिल्ली पुलिस में तैनात है। उसे अपनी स्कूटी बेचकर नई कार खरीदनी है। पूनम ने स्कूटी की फोटो देखकर उसे पसंद कर लिया और 33 हजार रुपये में खरीदने के डील पक्की कर ली।पुलिसकर्मी बने आरोपी व्यक्ति ने कहा कि वह एडवांस में पैसे लेगा जिसके बाद वह स्कूटी को उनके पते पर भिजवा देगा। महिला उसके झांसे में आ गई और उसके बैंक खाते में 33 हजार रुपये डाल दिए। आरोपी ने 15 मई को स्कूटी घर पर भिजवाने का भरोसा दिया था लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद जब स्कूटी नहीं पहुंची तो महिला ने उस नंबर पर फोन किया लेकिन वह बंद आ रहा था। जिससे महिला को ठगी होने का एहसास हो गया। महिला ने इस संबंध में पुलिस से शिकायत की है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ये है दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन कहां है? अगर नहीं को आपकी जानकारी के लिए बता दें कि ये स्टेशन दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश चीन और भारत में नहीं बल्कि अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में है. दुनिया के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन का खिताब ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल के नाम दर्ज है. यह स्टेशन साल 1901 से लेकर 1903 के दौरान बनाया गया था.

इस स्टेशन के बनने के पीछे एक दिलचस्प किस्सा यह है कि इसे उस दौर में पेंसिल्वेनिया के रेलरोड स्टेशन को टक्कर देने के लिए डिजाइन किया गया था.'सबसे बड़े रेलवे स्टेशन की वो बातें जिससे लोग अनजान' इसका निर्माण उस दौर में हुआ, जब भारी भरकम मशीनें नहीं हुआ करती थीं. इस सबसे बड़े रेलवे स्टेशन को बनाने में दो साल से भी ज्यादा का वक्त लग गया था. अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह रेलवे स्टेशन इतना बड़ा है कि इसे बनाने के लिए रोज 10 हजार आदमी एक साथ काम करते थे. यह स्टेशन अपने बड़े होने की वजह से ही नहीं बल्कि वास्तुकला और डिजाइन के लिए भी जाना जाता हैइस स्टेशन पर कुल 44 प्लेटफार्म बने हुए हैं, जहां एक साथ 44 ट्रेनें ठहर सकती हैं. आपको बताते चलें कि ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल पर कई फिल्मों की शूटिंग भी की जा चुकी है. दुनिया के बाद अब भारत की बात करें तो देश के सबसे बड़े रेलवे जंक्शन का खिताब यूपी के मथुरा के नाम दर्ज है. आपको बताते चलें कि जंक्शन उन जगहों को कहा जाता है जहां एक रेलवे स्टेशन से कम से कम 3 रूट गुजरते हैं. इस तरह से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर दुनिया का सबसे लंबा प्लेटफॉर्म मौजूद है. इससे पहले यह रिकॉर्ड खड़गपुर स्टेशन के नाम पर दर्ज था.

टीएचडीसी के एमडी विश्नोई ने हाइड्रो परिसर का निरीक्षण किया

नई टिहरी। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आरके विश्नोई ने बुधवार को टिहरी परिसर का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 1000 मेगावाट के पीएसपी निर्माण कार्यों का जायजा लिया। मौके पर उन्होंने पीएसपी का कार्य समय पर पूरा करने को प्रोत्साहित किया। महाप्रबंधक प्रशासन डा. एएन त्रिपाठी ने निरीक्षण को लेकर बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि विश्नोई ने निरीक्षण में टिहरी बांध का दौरा कर सघन निरीक्षण किया। इस दौरान टिहरी परिसर के ईडी एलपीजोशी ने विश्नोई और वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न निर्माण गतिविधियों की जानकारी दी। विश्नोई एवं तकनीकी निदेशक गुप्ता ने टिहरी पीएसपी के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जैसे बटरफ्लाई वाल्व, पीएससी (पेन स्टॉक असेंबली चैम्बर), ईए-7 और टीआरटी का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के बाद विश्नोई ने अधिकारियों और हितधारकों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। निर्माण स्थलों के निरीक्षण के बाद विश्नोई ने समीक्षा बैठक भी ली। जिसमें निर्माण कार्यों के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। समीक्षा बैठक के दौरान विश्नोई ने उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने और परियोजना को समय पर पूरा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि टिहरी पीएसपी 2030 तक राष्ट्र के 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के लक्ष्य के अनुरूप, शून्य कार्बन उत्सर्जन के साथ चौबीसों घंटे व सातों दिन सस्ती बिजली आपूर्ति करने के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह परियोजना टीएचडीसी की स्थायी ऊर्जा समाधान और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी) भूपेन्द्र गुप्ता ने परियोजना गतिविधियों को समय पर पूरा करने का आश्वासन देते हुए उत्कृष्टता और पर्यावरण प्रबंधन के प्रति टीएचडीसीआईएल के समर्पण को रेखांकित किया। इस दौरान ईडी तकनीकी संदीप सिंघल, जीएम ईएमडी आरआर सेमवाल, जीएम ओएमएस वीरेंद्र सिंह, जीएम प्लानिंग एके घिल्डियाल, जीएम पीएसपी एआर गैरोला, जीएम मैकेनिकल एमके सिंह, अपर महा प्रबंधक सिविल नीरज अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

जीआईसी पलेठी को मिले स्मार्ट क्लास संचालन के साधन

नई टिहरी। जीआईसी पलेठी डोबल्यो देवप्रयाग को एआईटीवाईएस संस्था नई दिल्ली की ओर से स्मार्ट क्लास संचालन के लिए सभी साधन उपलब्ध कराये गए हैं। बुधवार को संस्था ने दो स्मार्ट रूम, दो स्मार्ट टीवी, दस ग्रीन बोर्ड, 60 कुर्सी-60 मेज, दो मार्कर बोर्ड, इनवर्टर लाइट सहित दो शौचालय प्रदान दिये हैं। संस्था की एमडी मधु चौधरी, डीएसवी ग्रुप के एमडी समीर खत्री, अंजली खत्री, वास्तुविद विशेषज्ञ विनोद मधवाल, इंजीनियर केशव राणा ने कालेज को यह भेंट की है। प्रधानाचार्य अमित काला ने अतिथियों का स्वागत करते स्मार्ट क्लास के सभी साधन दिये जाने पर छात्र छात्राओं,अभिभावकों, शिक्षकों की ओर से संस्था का आभार जताया। कार्यक्रम मे धीरज बिष्ट, कोमल नेगी, सूरज बिष्ट, बाल सखा प्रभारी प्रेम सिंह उछोली सहित अभिभावक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

दैनिक कार्यों को मिशन मोड में निपटायें पालिकायें

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित ने आने वाले वर्षाकाल को देखते हुए जरूरी सेवाओं को सुदृढ़ करने को लेकर समस्त निकायों के अधिकारियों की बुधवार को बैठक ली। उन्होंने कहा कि निकायों के अधिकारी दैनिक कार्यों को मौके पर जाकर मिशन मोड में करवायें। अवैध रूप से सार्वजनिक स्थलों, चौराहों, दीवारों और पोलों आदि पर लगाए गए होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर तथा अप्रयुक्त शौचालयों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने डोर टू डोर कूड़ा संग्रह, पृथक्करण और निस्तारण, डम्पिंग जोन, यूजर चार्जेज, नालियों की सफाई, स्ट्रीट लाइट, निराश्रित पशुओं की व्यवस्था, स्ट्रीट डॉग पर नियंत्रण को लेकर जानकारी ली।

Transform your look in just 15 days! Join Samiksha Badola's exclusive makeup course today!

Empowering Aspiring Artists: Samiksha Badola Makeup Studio Launches Comprehensive Makeup Courses.

BY MANISH CHANDRA
News Virus Network

Dehradun, 14th May, 2024 - Join our exclusive 15 days class at Samiksha Badola Makeup Studio, where creativity meets expertise in the vibrant realm of beauty artistry. Renowned for her artistry and with over five years of industry experience, Samiksha Badola proudly introduces her bespoke makeup courses tailored for individuals aspiring to thrive in the glamorous realm of the makeup industry. Situated in the vibrant city of Dehradun, our studio serves as the canvas for aspiring makeup enthusiasts to refine their skills, offering a spectrum of courses from fundamental techniques to advanced mastery. Drawing from her extensive background, which includes over 500 + makeups with her expertise and acquiring certifications from industry stalwarts like Dolly Jain in draping, Samiksha infuses her courses with a blend of innovation and tradition.

With a commitment to nurturing talent and fostering creativity, Samiksha Badola's courses echo the tagline ₹Make your career in the Makeup industry₹ symbolizing her dedication to empowering her students. Through personalized instruction and hands-on guidance, participants will not only acquire the skills and knowledge essential for success in this dynamic field but also embark on a transformative learning journey. Join us, and let your passion for makeup flourish into a thriving career under the expert tutelage of Samiksha Badola.

Learn about: Foundation Techniques | Skin Types & Textures | Colour Theory

Upon successful completion of the courses, participants will receive certifications, validating their expertise and readiness to pursue careers in the makeup industry.

For enrolment and inquiries, please contact Samiksha Badola Makeup Studio at samikshadobhal44@gmail.com or +91 9068-51-1162.

Contact -

Samiksha Badola Makeup Studio

Address: Dehradun

Phone: +91 9068-51-1162

Email: samikshadobhal44@gmail.com

कैसे तय करें कब आपके बच्चे को चाहिए ट्यूशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : हम में से ज्यादातर लोगों का मानना है कि बच्चे को ट्यूशन दिलाया जाना इसलिए जरूरी है क्योंकि बच्चा स्कूली शिक्षा के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहा है, लेकिन असल में यह एक आम गलतफहमी है। बच्चे को ट्यूशन दिलाया जाना न केवल उसके पढ़ाई-लिखाई के नतीजों को बेहतर बनाता है बल्कि किसी विषय की पूरी और व्यवहारिक समझ भी देता है, जो आमतौर पर स्कूली शिक्षा के जरिए मुमकिन नहीं होता लेकिन इसके अलावा और भी वजहें हैं जिनकी वजह से बच्चे को ट्यूशन दिलाया जाना जरूरी हो जाता है।

यह एक जानी-मानी बात है कि माता-पिता जितना ज्यादा अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में दिलचस्पी लेते हैं, बच्चों का प्रर्दशन और स्कूली नतीजे उतने ही अच्छे होते हैं। पर आजकल के भाग-दौड़ भरे जीवन, माता-पिता के कामकाजी होने और एकल परिवार जैसी वजहों से ज्यादातर पैरेंट्स न तो बच्चों की अच्छी परवरिश पर ध्यान दे पाते हैं और न ही उनकी पढ़ाई-लिखाई पर। ऐसी स्थिति में बच्चे को ट्यूशन दिलाया जाना बेहतर होता है। रोजाना होमवर्क में बच्चे को स्कूल में पढ़ाई गई चीजें शामिल होती हैं और यह बच्चे को उन चीजों को दोहराने और उनका अभ्यास करने का सबसे बेहतर जरिया होता है। इसके अलावा यह बच्चे को किसी विषय को स्कूल के तय समय से ज्यादा देर तक पढ़ने और जानकारी हासिल करने का मौका भी देता है पर देखने में आता है कि बहुत से बच्चे होमवर्क पूरा करने को लेकर संजीदा नहीं होते और और पूरा समय खेलने-कूदने या दूसरे कामों को करने में बर्बाद कर देते हैं। ट्यूशन के जरिए बच्चे को होमवर्क पूरा करने की आदत में सुधार लाया जा सकता है।

अक्सर देखने में आता है कि बच्चे किसी खास विषय में बहुत कमजोर होते हैं। स्कूल में पर्याप्त ध्यान दिए जाने के बावजूद यदि उस विषय में बच्चे के प्रदर्शन में सुधार न हो तो इसका मतलब है कि बच्चे को अतिरिक्त सहायता की जरूरत है। ऐसे में बच्चे को उस विषय के किसी विशेषज्ञ शिक्षक के जरिए ट्यूशन दिलाया जाना चाहिए जिससे बच्चे की कठिनाइयों को दूर करके बच्चे को उस विषय में निपुण बनाया जा सके। बच्चे की अच्छी पढ़ाई-लिखाई में एक कुशल और अच्छे शिक्षक का अहम किरदार होता है। स्कूलों में अच्छे टीचर्स को लेकर की गई जांचों में पाया गया है कि शुरुआती शिक्षा के समय अयोग्य और अकुशल शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाना बच्चे को उसकी वास्तविक काबिलियत को हासिल करने और निखरने से रोक देता है। अगर आपको बच्चे के स्कूल में शिक्षा और शिक्षकों के स्तर को लेकर किसी तरह का संदेह हो तो इससे बचने के लिए बच्चे को ट्यूशन दिलाना जरूरी हो सकता है।

मुस्लिम में होते हैं अशराफ अरजाल और अजलाफ...

■ जानिए इनमें कौन-कौन सी जातियां आती हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : भारत में मुस्लिमों में भी जाति व्यवस्था देखने को मिलती है. जो अशरफ, अजलाफ और अरजाल में बंटी हुई है. चलिए जानते हैं कि आखिर यहां वर्ण व्यवस्था क्या है.भारत में कहा जाता है कि हर एक जाति का व्यक्ति अपने से नीचे की जाति ढूंढ ही लेता है. कहावत हमारे देश में जाति व्यवस्था को देखते हुए सही भी मासूम पड़ती है. हमारे देश में हिंदू हों या मुस्लिम, जाति व्यवस्था दोनों में ही देखने को मिलती है. जहां हिंदुओं में ऊंची और नीची जाति में बंटवारा देखने को मिलता है तो ऐसी जाति व्यवस्था मुसलमानों में भी है. मुसलमानों में जातियां अशराफ, अजलाफ और अरजाल में बंटी हुई है. चलिए जानते हैं कि आखिर ये है क्या.

क्या होता है मुस्लिमों में अशरफ, अजलाफ और अरजाल का मतलब?

अशराफ मुसलमान- ये वो मुसलमान होते हैं, जिनका संबंध मौजूदा समय के हिसाब से विदेशों से होता है. ये चार प्रमुख जातियों में बंटे

हुए हैं, पहला सैयद, दूसरा शेख, तीसरा पठान और चौथा मुगल.

सैयद, जिनका संबंध पैग़म्बर मुहम्मद के परिवार से माना जाता है, एक तरह से ये उनके वंशज हैं. दूसरे हैं शैख, जिनका संबंध अरब ही के कुरैश "कबीले" से माना जाता है. वहीं पठानों का संबंध अफगानिस्तान के आसापस के क्षेत्र से माना जाता है. तो वहीं मुगलों का संबंध मुगल बादशाह बाबर से माना जाता है, जो उनके साथ भारत आए थे.

अजलाफ मुसलमान- अजलाफ मुसलमान में दर्जी, धोबी, धुनिया, गद्दी, फाकिर, बढई-लुहार, हज्जाम (नाई), जुलाहा, कबाड़िया, कुम्हार, कंजरा, मिरासी, मनिहार, तेली समाज के लोग आते हैं.

अरजाल मुसलमान- इनमें वो दलित आते हैं जिन्होंने इस्लाम कबूल किया. जैसे कि हलालखोर, भंगी, हसनती, लाल बेगी, मेहतर, नट, गधेरी आदि.

कई लोगों ने बदला धर्म ?

दरअसल जब भारत में मुस्लिम शासकों का शासनकाल आया तो अलग-अलग धर्मों के लोगों ने अपना धर्म बदलकर इस्लाम को अपना लिया, इसमें बड़ी संख्या में वो लोग शामिल थे जिन्हें जातिय आधार पर परेशान किया जाता था. जिनका धर्म के आधार पर शोषण होता था. हालांकि कई लोगों का धर्म परिवर्तन करवाने में सूफी संतों की भी अहम भूमिका मानी जाती है.1990 के दशक में भारतीय मुस्लिमों के बीच जातिवाद को लेकर और इसे खत्म करने को लेकर आंदोलन किए गए थे. हालांकि इसपर बहस और सवाल हमेशा से बने हुए हैं. मुसलमानों और खासकर आर्थिक, सामाजिक और पिछड़े मुसलमानों के मद्देनजर कमीशन बने हैं, जिनने कई कार्य और रिसर्च भी कीं, हालांकि कभी इनका स्थायी हल नहीं निकला.

बिना इजाजत मुझे पैदा क्यों किया, लड़की ने मां-बाप पर किया केस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : जब पति-पत्नी, मां-बाप बनते हैं तो उनके लिए बेहद खुशी का मौका होता है. वो आने वाले बच्चे के लिए पहले से ही प्लानिंग करने लगते हैं. जब बच्चा पैदा होता है मां-बाप और उनका पूरा परिवार बेहद खुश होता है. पर क्या आपने कभी सोचा है कि पैदा होने वाले बच्चे को इसके बारे में कैसा लगता होगा? क्या वो वाकई पैदा होना चाहता होगा, या फिर बिना उसकी मर्जी के उसे जन्म दे दिया जाता है? एक लड़की ने हाल ही में अपने माता-पिता पर इसी बात को लेकर केस कर दिया है. उसने कहा कि उसके मां-बाप ने बिना उसकी इजाजत के उसे कैसे पैदा कर दिया? आप भी ये सुनकर हैरान हो रहे होंगे, पर इसकी सच्चाई कुछ और ही है.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के न्यूजर्सी की रहने वाली टिकटॉक कास थिएज़ने कुछ दिनों पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, इसमें वो अपनी कार में बैठी थीं और कह रही थीं कि उन्होंने अपने माता-पिता पर केस कर दिया क्योंकि उन्होंने बिना उसकी परमिशन के उसे पैदा कर दिया. पर फिर उसने बताया कि उसके खुद के भी बच्चे हैं. ये जानकर लोग इतना ज्यादा हैरान हुए कि उसे जमकर ट्रोल करने लगे. बहुत से लोगों ने कहा कि उसे चेकअप करवाने की जरूरत है, उसका मानसिक संतुलन खराब है।

लड़की ने पहले बताया कि अगर उसके माता-पिता को बच्चा पैदा करना था तो प्रेग्नेंसी से पहले उसे एक तांत्रिक से संपर्क

करना चाहिए था और उसकी आत्मा से संपर्क कर पूछना चाहिए था कि क्या वो इस दुनिया में आना चाहती है या नहीं. उसके बाद उन्हें आगे बढ़ना चाहिए था. पर उन्होंने ऐसा नहीं किया, इसलिए उसने उनपर केस कर दिया. जब लोगों ने उससे पूछा कि फिर उसके बच्चे क्यों हैं, तो उसने बोला कि उसने बच्चों को गोद लिया है, पैदा नहीं किया. इस वजह से वो उन्हें इस दुनिया में लाने के लिए जिम्मेदार नहीं है. जब उसकी पोस्ट विरल होने लगी और लोगों ने उसे ट्रोल किया तो लड़की ने पूरी सच्चाई बताई.

लड़की के अकाउंट पर लिखा है कि वो एक हास्य-व्यंग्य से जुड़ा अकाउंट है. लिहाजा उसकी कही गई बात सिर्फ मजाक है, उसमें कोई भी सच्चाई नहीं है. लड़की ने बताया कि वो एक समलैंगिक है. जिन लोगों को पता है कि वो मजाक कर रही है, उन्होंने उसके कॉमेडी की तारीफ की और पोस्ट पर उसी तरह के रिएक्शन भी दिए.

मोदीराज में जमीन से आसमान तक : मातृशक्ति ने भरी ऊँची उड़ान

सरफराज सैफी न्यूज़ एंकर / वरिष्ठ पत्रकार
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

21 वीं सदी शुरुआत से महिलाओं की रही है। इन सालों में महिलाओं का भारत की आर्थिक व्यस्था में योगदान बढ़ा है इसका ही परिणाम है कि आज भारत की महिलाएं राजनीति, कारोबार, कला तथा नौकरियों में पहुँच कर नये आयाम गढ़ रही हैं। भूमण्डलीकृत विश्व में भारत की नारी ने अपनी एक सम्मानजनक जगह कायम कर ली है। फौज, राजनीति, खेल, पायलट और उद्यमी सभी क्षेत्रों में जहाँ वर्षों पहले तक महिलाओं के होने की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी, वहां महिलाओं ने स्वयं को स्थापित ही नहीं किया है बल्कि वहां सफल भी हो रहीं हैं।स्वामी विवेकानन्द का मानना था कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर है, वहाँ की महिलाओं की स्थिति । हमें महिलाओं को ऐसी स्थिति में पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए, जहाँ वे अपनी समस्याओं को अपने ढंग से ख़ुद सुलझा सकें, हमारी भूमिका महिलाओं की ज़िंदगी में उनका उद्धार करने वाले की न होकर उनका साथी बनने और सहयोगी की होनी चाहिए ।क्योंकि भारत की महिला इतनी सक्षम है कि वे अपनी समस्याओं को ख़ुद सुलझा सकती है।

कमी अगर कहीं है तो बस इस बात की, हम एक समाज के तौर पर उनकी क़ाबलियत पर भरोसा करना सीखें। ऐसा करके ही हम भारत को उन्नति के रास्ते पर ले जा पाएंगे। ऐसे में भारतीय राजनैतिक परिवेश में भी समय के साथ बदलाव आया है।और राजनीति के केंद्र में महिलाओं की भूमिका लगातार बढ़ी है।महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए वर्तमान समय में भारतीय सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक कार्यक्रम एवं योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इससे स्त्रियों की स्थिति में काफी बदलाव आए हैं, इसका ही परिणाम है कि पिछले दोनों चुनाव में बीजेपी को जो अविस्मरणीय जीत हासिल हुई उसको दिलाने में महिलाओं कि बहुत बड़ी भूमिका रही है। इसकी रूपरेखा का निर्माण कहीं न कहीं प्रधानमत्री मोदी के द्वारा जो देश व्यापी योजनायें चलाई गईं उनका काफी योगदान है।आजादी के बाद से मोदी सरकार मे महिला सशक्तीकरण को लेकर कई कदम उठाए गए ।क्योंकि आधी आबादी के सहयोग के बिना विकसित भारत के संकल्प को पूरा नहीं किया जा सकता।ऐसे में साल 2014 में केंद्र की सत्ता में आने के बाद से ही पीएम मोदी ने महिलाओं के विकास के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं को 'सुविधा, सुरक्षा, सम्मान' प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। गैस कनेक्शन के लिए उज्ज्वला, महिला शौचालयों के लिए स्वच्छता और घरों में नल के पानी के लिए जल-जीवन जैसी विचारपूर्वक बनाई गई योजनाओं ने न केवल महिलाओं के जीवन को सरल बनाया, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान के साथ आत्मविश्वास की भावना भी प्रदान की। इसके साथ ही केंद्र की मोदी सरकार ने जिस तरीके से महिलाओं के शिक्षा पर फोकस किया है, उससे महिलाओ के जीवन स्तर मे खासा सुधार आया है। क्योंकि शिक्षा महिलाओं के उत्थान में अहम् रोल निभा रहा है, महिलाओ का विकास दूसरे महिलाओं के लिए रोल मॉडल का काम करती है। सशक्त महिला आज समाज में लीडरशिप रोल में है, जो पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है।मोदी सरकार ने महिलाओं को लेकर बनाई योजनाओं का नाम भी ऐसे रखा, जो सीधे महिलाओं के दिल को छू रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के जरिए महिलाओं को गैस सिलेंडर देना, जनधन योजना के तहत खाता खुलवाना, मुस्लिम महिलाओं को लेकर तीन तलाक को कानूनी रूप से खत्म करना जैसे विधेयक ने पीएम मोदी के कदम को बढ़ाया।

महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मोदी सरकार ने सिर्फ योजनाओं की शुरुआत ही नहीं की, बल्कि असरदार और जमीन पर लागू भी कराया।ये सत्य है कि आज के समय में महिलाएँ घर की चारदीवारी से निकलकर सत्ता की बागडोर संभाल रही हैं, और न केवल संभाल रही हैं बल्कि कुशल संचालन कर रही हैं। लेकिन देश में महिलाओं की आबादी के अनुसार देखें तो राजनीति में महिलाओं की संख्या अभी भी काफी कम है। इसके अलावा, ग्रामीण अंचलों में पंचायत स्तर पर अधिकांश महिलाओं को केवल मुखौटे की तरह इस्तेमाल किया जाता है यानी चुनाव तो महिला जीतती है लेकिन सत्ता से संबंधित सभी निर्णय उसके परिवार के पुरुष सदस्य करते हैं।वहीं, न्यायालय में भी महिलाओं की संख्या संतोषजनक नहीं है। आज भी महिलाओं की अधिकांश समस्याओं का कारण आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भरता है। यह बेहद चिंताजनक है कि देश की कुल आबादी में महिलाओं की स्थिति को देखा जाए तो महिलाओं की रोजगार में भागीदारी अभी भी कम है। इसी वजह से भारत की जीडीपी में महिलाओं की भागीदारी उम्मीद से अभी कोसो दूर है हर मोर्चे पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभावों को समाप्त कर पुरुषों के समान अर्थव्यवस्था में भागीदारी करने के अवसर प्रदान किए जाने जरूरी है।समय की माँग है कि अब महिलाएँ जाग्रत हों और अपनी क्षमता को पहचान कर, परंपरागत रूढ़ियों को खंडित कर देश की मुख्यधारा में अधिक से अधिक योगदान दें।लेकिन ये तभी संभव है जब सत्ता में बैठे लोगों की राजनीतिक इच्छाशक्ति महिलाओं की स्थिति सुधारने को लेकर मजबूत हो।क्योंकि महिला सुरक्षा जब तक पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं होगी,महिलाओं की स्थिति में सुधार की कल्पना पूरी तरह से जमीनी हकीकत में तब्दील नहीं होगी इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, फ्री राशन, जनधन,हर घर जल नल जैसी योजनाये बनाकर महिलाओं को सक्षम बनाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानते हैं भारत को अगर विकसित करना है तो जमीन से लेकर आसमान तक महिलाओं को साथ लेकर चलना पड़ेगा महिलाओं की हिस्सेदारी हर जगह रखनी होगी तभी भारत दुनिया के बाकी देशों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ेगा।

न्यून परीक्षा परिणाम देने वाले प्रधानाचार्यो से सीईओ ने मांगा स्पष्टीकरण

रुद्रप्रयाग। मुख्य शिक्षा अधिकारी ने बुधवार को जनपद के अनेक विद्यालयों के प्रधानाचार्यो के साथ ही उप खंड शिक्षा अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में न्यून परीक्षा फल वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से स्पष्टीकरण तलब करने के अलावा चार प्रधानाचार्यों की अनुपस्थिति पर उन्हें चेतावनी पत्र जारी किया। बैठक में विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। साथ ही संस्थाध्यक्षों को हर सरकारी योजना का लाभ स्कूली छात्र-छात्राओं को दिए जाने के लिए निर्देशित किया गया। मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेन्द्र कुमार बिष्ट ने बैठक के दौरान सभी प्रधानाचार्यो को पूरे मनोयोग से कार्य करने के निर्देश दिए। जबकि न्यून परीक्षाफल वाले प्रधानाचार्यों से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा। अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कालेज अगस्त्यमुनि में आयोजित बैठक में मुख्य शिक्षा अधिकारी ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। साथ ही ग्रास रूट स्तर पर योजना संचालन का फीडबैक लिया।

चिकित्सा स्वास्थ्य की निदेशक ने किया केदारनाथ का निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। तीर्थयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य (गढवाल) डॉ. शिखा जंगपांगी ने अस्पतालों का निरीक्षण किया। बुधवार को केदारनाथ के साथ ही जनपद यात्रा मार्ग के चिकित्सालयों, चिकित्सा राहत केंद्रों और पंजीकरण केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पैदल यात्रा मार्ग पर हर समय पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन सिलेंडर और जीवन रक्षक दवा रखते हुए प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए।दो दिवसीय भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य निदेशक ने जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि, पीएचसी गुप्तकाशी, पीएचसी ऊखीमठ सहित पैदल मार्ग की समस्त चिकित्सा इकाइयों, स्क्रीनिंग प्वाइंट का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सा इकाईयों में दवा और उपकरणों की उपलब्धता, स्टॉफ तैनाती आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं का निरीक्षण किया। उन्होंने तीर्थयात्रियों से भी बातचीत की। विभाग द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर फीडबैक भी लिया।

डीएम ने ली रेल विकास निगम, बीआरओ, पिटकुल तथा एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों की बैठक

चमोली। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने बुधवार को रेल विकास निगम, बीआरओ, पिटकुल तथा एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों की बैठक लेते हुए विकास कार्यो से जुड़े विभिन्न लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि तहसील एवं विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए वन भूमि हस्तांतरण, भूमि अधिग्रहण, प्रतिकर भुगतान एवं अन्य लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाए और निर्माण कार्यो को जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देश किया कि रेल परियोजना के अंतर्गत लंगाली में निजी नाप भूमि से वृक्षों के पातन हेतु वन निगम के माध्यम से आंगणन उपलब्ध कराया जाए। ग्राम भट्टनगर में प्रभावित लोगों में प्रतिकर का शीघ्र भुगतान किया जाए। रेल परियोजना के कार्यों से ग्राम रानौं में क्षतिग्रस्त संपत्तियों के पुनर्निर्माण हेतु ब्लाक से आंगणन तैयार कर क्षतिपूर्ति हेतु रेलवे को उपलब्ध करें। रेल परियोजना के मलावा निस्तारण हेतु भूमि हस्तांतरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कमेडा से हेलंग तक 20 भूस्खलन क्षेत्र, 11 सिकिंग क्षेत्र का उपचार एवं दो सेतु निर्माण कार्यो हेतु भूमि अधिग्रहण के संबध में गठित समिति शीघ्र आख्या उपलब्ध दे। जोशीमठ में पिटकुल द्वारा नवीन 66 केवी उपस्थान हेतु भूमि अधिग्रहण संबधी आवश्यक कार्यवाही पूरी किया जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सिमली-ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग के केसरी ब्रिज, कुलसारी व मिंगधेरा ब्रिज में आवर्ड की कार्यवाही में तेजी लाए और किलोमीटर 87 से 140 के अतंगर्त भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना प्रकाशित की जाए। जोशीमठ-मलारी राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तारीकरण एवं चौडीकरण हेतु संशोधित प्रस्ताव पर तहसील स्तर से त्वरित कार्रवाई की जाए। लपथल-छोजन एवं लपथल-डोबाला मोटर मार्ग के निर्माण कार्यो हेतु नंदादेवी वन प्रभाग में लंबित प्रकरण निस्तारण करें। इस दौरान विभिन्न लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई।

डीपीएस रानीपुर व डीएवी जगजीतपुर के छात्र-छात्राओं ने देखी गंगा संग रविदास

हरिद्वार। डीपीएस रानीपुर और डीएवी जगजीतपुर के एक हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने बुधवार को वेव सिनेमा में संत रविदास पर बनी हिन्दी फिल्म गंगा संग रविदास देखी।फिल्म निर्माता राजेश मालगुड़ी और पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि हरिद्वार में ही शूट की गई फिल्म को लेकर समाज के सभी वर्गो में भारी उत्साह है। युवाओं समेत तमाम लोग फिल्म देखने पहुंच रहे हैं। विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं भी फिल्म देखने पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर व डीएवी जगजीतपुर के एक हजार से अधिक छात्र-छात्राएं फिल्म देखने पहुंचे।

घर के बाहर खड़े पिता और पुत्र पर हमला, केस दर्ज

हरिद्वार। सिडकुल क्षेत्र में एक महिला समेत 10 लोगों ने घर के बाहर खड़े पिता और पुत्र को बुरी तरह पीट दिया। बुधवार को सिडकुल पुलिस ने महिला समेत 10 आरोपियों के खिलाफ बलवा, मारपीट आदि धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक रावली महदूद निवासी नेत्रपाल पुत्र हरद्वारी ने शिकायत दी। बताया कि 20 मई की दोपहर वह अपने पुत्र सचिन के साथ घर के बाहर खड़े हुए थे। तभी गुल्लू, शिवकुमार, विशाल, हरिसित, सन्नी, आशु उर्फ सचिन, मुन्ना, बालेश, राजेश, सोनू वहां पहुंच गए। दोनों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। धमकी दी कि उसका पुत्र आशु उनकी शिकायत करता है इसलिए अब छोड़ेंगे नहीं।

बुद्ध पूर्णिमा का स्नान, शहर में भारी वाहनों की एंट्री बंद

हरिद्वार। चारधाम यात्रा की भीड़ के बीच गुरुवार को बुद्ध पूर्णिमा का स्नान होगा। स्नान पर्व को लेकर तैयारियों को हरिद्वार पुलिस ने फाइनल टच दे दिया है। गुरुवार सुबह पांच बजे से स्नान पर्व के सकुशल सम्पन्न होने तक शहर क्षेत्र में भारी वाहन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेंगे। केवल आवश्यक सेवाओं से जुड़े भारी वाहन को ही शहर क्षेत्र में एंट्री दी जाएगी। भीड़ का दबाव अधिक होने पर ही जिले में डायवर्जन प्लान लागू किया जाएगा। बुधवार की शाम से ही पुलिस क्षेत्र में तैनात हो गई है।

संपादकीय

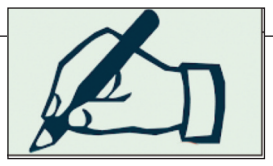

नाबालिग हत्यारा भी मासूम!

पुणे में एक बेहद त्रासद हादसा हुआ है, जिसने समाज, कानून और मान्यताओं को बेनकाब कर दिया है। बड़े बाप की औलाद होना पाप नहीं है, लेकिन बिगड़ैल और हत्यारा तक होना आपराधिक है। पुणे में एक 17 वर्षीय नाबालिग, बिगड़ैल किशोर ने दो होनहार साफ्टवेयर इंजीनियरों को 2 करोड़ रुपए की कार से कुचल कर मार डाला। करीब 25 वर्षीय जिंदगियों पर एकदम विराम लग गया। दो घरों के चिराग बुझ गए, लिहाजा उनके दुख और सदमे को महसूस ही किया जा सकता है, लेकिन समाज, जेल, कानून उस नाबालिग को 'मासूम' ही मान रहे हैं, क्योंकि वह 18 साल का नहीं था। जेल में उस 'हत्यारे नाबालिग' से सडक़ दुर्घटना पर 300 शब्दों का निबंध लिखवाया जाता है और करीब 15 घंटे में अदालत से उसकी जमानत भी हो जाती है! संविधान के किस पन्ने पर और किस अनुच्छेद में यह लिखा है कि कोई किसी की जान लेने का जघन्य अपराध करे, लेकिन निबंध लिखवा कर ही उसे जमानत दे दी जाए? कानून वाकई अंधा होता है, क्योंकि वह सिर्फ सबूत देखता है, हकीकत को नहीं जानता! नबालिग हत्यारे के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था, कार का पंजीकरण नहीं था, लेकिन वह एक बेशकीमती कार दनदनाते हुए चला रहा था, क्योंकि वह 600 करोड़ रुपए की कंपनी के मालिक, बिल्डर का बेटा था! क्या कानून के सामने ये साक्ष्य नहीं थे? क्या अमीर, बिल्डर बाप बराबर का दोषी नहीं है, जिसने 2 करोड़ रुपए की कार नाबालिग बेटे को खरीद कर दी? उस उच्छृंखल बालक ने सार्वजनिक सडक़ को 'बंगले का आंगन' समझ लिया और दो युवाओं को कुचल कर मार दिया। नाबालिग आरोपित को हिरासत में पिज्जा, बर्गर और बिरयानी आदि भोज परोसे गए, तो वह खातिरदारी भी 'बड़े बाप की औलाद' होने के कारण की गई। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि नाबालिग अपराधी ने कार से दो युवा इंजीनियरों को कुचलने से पहले पब, बार में करीब दो घंटे तक, दोस्तों के साथ, खूब शराब पी, जिसका बिल 48,000 रुपए आया और भुगतान भी नाबालिग के क्रेडिट कार्ड से किया गया। क्या बैंक नाबालिगों के क्रेडिट कार्ड भी बनाते हैं? गंभीर सवाल तो यह है कि मेडिकल परीक्षण में शराब पीने का सच क्यों नहीं सामने आया? क्या डॉक्टर भी बड़े बाप के सामने 'बिक' गए? उस त्रासद हादसे के बाद यह तथ्य सामने आया है कि उस नाबालिग ड्राइवर ने शराब पी रखी थी, लिहाजा दोस्तों और पब वालों को भी हिरासत में लिया गया है। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के न्याय पर तरस आता है कि उसने हत्या की सजा निबंध लिखना ही तय की! क्यों न इसे भी संविधान में जोड़ लिया जाए? यही कारण है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस को हस्तक्षेप कर पुलिस आयुक्त को निर्देश देने पड़े। अब उच्च न्यायालय में नाबालिग पर केस बालिग मान कर ही चलाया जाएगा। हमें भी अदालत के आदर्श न्याय का इंतजार रहेगा। यह कोई इकलौता मामला नहीं है। एक मामले में बीएमडब्ल्यू कार से तीन पुलिसकर्मी मार दिए गए थे। अपराधी की अमीरी ने चश्मदीदों को 5-5 करोड़ रुपए की घूस देकर उनकी सच्चाई ही खरीद ली थी, लेकिन बाद में किसी परम शक्ति ने ही सारे भेद खोल दिए और उन ऐयाश अमीरों को सजा हुई। राजधानी दिल्ली में नशेडियों ने कार फुटपाथ पर सोए 'बेचारों' पर ही चढ़ा कर उन्हें कुचल दिया। अदालत में ये दलीलें भी दी गईं कि क्या फुटपाथ सोने के लिए होता है?

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

क्या आप जानते है लड़कियों की शर्ट में बटन बाईं तरफ क्यों लगाये जाते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि लड़के और लड़कियों की शर्ट पर बटन अलग अलग साइड लगाए जाते हैं। अगर नहीं तो अब ध्यान दीजिए।

दरअसल महिलाओं की शर्ट पर बटन बाई तरफ, जबकि पुरुषों की शर्ट पर बटन दाहिनी तरफ लगाए जाते हैं। दरअसल महिलाओं और पुरुषों के शर्ट के बटन अलग-अलग साइड लगाने को लेकर अलग-अलग तर्क दिए जाते हैं। कहा जाता है कि पुरुषों को बटन खोलने या बंद करने के लिए बाएं हाथ का सहारा लेना पड़ता है। इसलिए उनके शर्ट में बटन दाएं तरफ होते हैं, वहीं महिलाओं के साथ यह काम उल्टा है इसलिए महिलाओं के कपड़ों में बटन बाई तरफ लगाए जाते हैं।शर्ट में अलग-अलग साइट पर बटन लगाने को लेकर एक और तर्क दिया जाता है।

कहा जाता है कि पुराने जमाने में महिलाएं घोड़े चलाती थी और ऐसे में वह बाईं तरफ बटन वाली शर्ट पहनती थी, ताकि हवा के कारण उनकी शर्ट ना खुले। इसके बाद यह कांसेप्ट यूं ही बरकरार रहा और मेकर्स ने इस तरह की शर्ट ही बनानी शुरू कर दी।वही इस तर्क को लेकर यह भी कहा जाता है कि पुरुष दाएं हाथ में तलवार रखते हैं, जबकि महिलाएं अपने बच्चों को आसानी से गोदी लेने के लिए बाएं हाथ का इस्तेमाल करती है। ऐसे में महिलाओं के शर्ट के बटन बाई तरफ लगा दिए जाते हैं, ताकि वह अपने दाहिने हाथ से बटन खोलकर बच्चे को आसानी से स्तनपान करा सके।

भारत का अनोखा मार्केट, सिर्फ महिलाएं लगा सकती हैं दुकान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : आज हम आपको देश के एक ऐसे मार्केट के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां सिर्फ महिलाएं काम करती हैं। यहां पुरुष दुकानदारों की एंट्री बैन है। मणिपुर की राजधानी इंफाल में यह अनोखा मार्केट है। इस मार्केट को इमा मार्केट या मदर्स मार्केट कहा जाता है। इसे महिलाएं संचालित करती हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि यह मार्केट महिलाओं द्वारा चलाए जाने वाला एशिया का सबसे बड़ा मार्केट है। यहां लगभग 6,000 महिलाएं दुकान लगाती हैं।

इस मार्केट में पुरुष दुकानदारों की एंट्री बैन स्थानीय भाषा में मदर्स मार्केट को खैरबंद बाजार अथवा नुपी कैथल कहते हैं। महिलाएं यहां कई पीढ़ियों से दुकान लगाती हैं। इस मार्केट में हर तरह के सामान मिलते हैं। यहां हैंडीक्राफ्ट सामान से लेकर खिलौने, कपड़े, खाने का सामान, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, सब्जियां, मसाले, मीट और घरों में इस्तेमाल होने वाले सामान बिकते हैं। कुछ लोगों ने साल 1948-52 के बीच मार्केट की जमीन को खाली करवाना चाहा था लेकिन यहां काम करने वाली महिलाओं ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया था।सबसे बड़ी बात यह है कि लंच के समय महिलाएं यहां इकट्ठा होती हैं और सामाजिक, आर्थिक मुद्दों पर चर्चा करती हैं। इस मार्केट से पुरुषों का दूर-दूर तक वास्ता नहीं होता है। महिलाएं ही यहां का सारा काम करती हैं। आपको बता दें कि पहले यह मार्केट शेड्स में लगा करता था। बाद में इंफाल म्युनिसिपल काउंसिल ने इस जगह चार मंजिला इमारत बनवा दी। अब महिलाएं अपनी दुकानें इसी इमारत में लगाती हैं। मणिपुर के गजेटियर 1786 के अनुसार, यह मार्केट कई सौ साल पुराना है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिजली की सुचारू आपूर्ति किए जाने की मांग की

हरिद्वार। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को बिजली कटौती रोकने को लेकर अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिजली की नियमित आपूर्ति की मांग की। भाजपा पार्षद दल के उपनेता रहे निवर्तमान पार्षद अनिरुद्ध भाटी ने कहा कि गर्मी बढ़ने व चार धम यात्रा प्रारंभ होने से तीर्थनगरी में विद्युत आपूर्ति की मांग बढ़ रही है लेकिन उत्तरी हरिद्वार, भीमगोड़ा, अपररोड, श्रवणनाथ नगर, ब्रह्मपुरी, मंशा देवी मार्ग में विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही है। शनिवार व रविवार सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक मुखिया गली, दुर्गा नगर, शिव नगर, पावन धाम मार्ग, खड़खड़ी, भीमगोड़ा, श्रवणनाथ नगर, बिल्केश्वर कॉलोनी में निरन्तर अनियमित आपूर्ति से स्थानीय निवासियों, तीर्थ यात्रियों, दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पथरी के कई गांव बुखार की जद में, फॉगिंग की मांग उठाई

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के कई गांवों में बढ़ती गंदगी के कारण मच्छरों की तादाद बढ़ती जा रही है। गंदगी होने से लोग बुखार से पीड़ित है। ग्रामीणों ने बुधवार को डीएम को पत्र लिखकर फॉगिंग कराने की मांग की है। गांव धनपुरा, पदार्था, फेरुपुर आदि गांवों में एक माह से कई लोग बुखार की चपेट में हैं। ग्रामीण नसरत अली, मुस्तकीम अहमद, नूर अली, शहनवाज, जब्बार, रिजवान, सादिक, राकेश कुमार, सोनू प्रजापति का कहना है कि गांव में नालियों का गंदा पानी भरा रहता है। इसके कारण रुके हुए पानी में मच्छर पनप रहे हैं। बार-बार कहने के बाद भी फॉगिंग नहीं कराई जा रही है जबकि सभी पंचायतों में फॉगिंग मशीनें उपलब्ध हैं।

यात्रा जा रहे वाहनों को रोक रोक कर छोड़ा

हरिद्वार। चारधाम यात्रा में जाने वाले यात्रियों के वाहनों को रजिस्ट्रेशन होने के बाद भी रोक-रोक कर भेजा गया। गड्ढा पार्किंग और पंतद्वीप के पास वाहनों को रोका गया। करीब तीन से चार घंटे अंतराल के बाद वाहनों को हरिद्वार से भेजा गया, ताकि पहाड़ों में जाम न लगे। कुछ यात्रियों ने इसको लेकर नाराजगी भी जताई।

पुलिस में शिकायत करने बाद भी मारपीट, केस दर्ज

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र के दक्ष रोड में तीन लोगों ने पति-पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। पुलिस ने बुधवार को तहरीर के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक पूरबिया मंडी दक्ष रोड कनखल निवासी सोहनलाल पुत्र तेजराम ने बताया कि 14 मई को विशाल निवासी पूरबिया मण्डी दक्ष रोड ने उसके घर पर आकर मारपीट कर दी। उसकी पत्नी ने कनखल थाने पहुंचकर घटना को लेकर तहरीर दी। इसके बाद जब वह वापस घर लौटी तो फिर से विशाल, सुनिता व शुभम ने घर आकर उसकी पत्नी और भाभी व उसके मारपीट कर दी। आरोप है कि लाठी-डंडों से पीटते हुए उन्हें घायल कर दिया।

एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने टारगेट पर साधा निशाना, शूटिंग प्रतियोगिता का किया शुभारम्भ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 23 मई : उत्तराखंड पुलिस की 20 वीं प्रादेशिक अंतर्जनपदीय राइफल, रिवाल्वर एवं पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता-2024 का श्रीनगर स्थित एस.एस.बी की केदार फायरिंग रेंज में किया गया आयोजन। जनपद पौड़ी के श्रीनगर में एस. एस. बी के केदार फायरिंग रेंज में 20 वीं प्रादेशिक अंतर्जनपदीय/वाहिनी राइफल, रिवाल्वर एवं पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता-2024 का शुभारम्भ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में करण सिंह नगन्याल पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र महोदय द्वारा इन प्रतियोगिताओं के शुभारम्भ की घोषणा की गयी।सर्वप्रथम द्वारा समस्त जनपद/वाहनियों के टीम मैनेजरों का परिचय प्राप्त किया गया। उसके पश्चात खेल प्रतिभागियों द्वारा मंच पर पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र को सलामी दी गयी। साथ ही सभी प्रतिभागियों द्वारा खेल की भावना से प्रतिभाग करने की शपथ ली गयी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल/आयोजन सचिव लोकेश्वर सिंह द्वारा अपने स्वागत संबोधन में कहा कि पुलिस कर्मियों को शस्त्र संचालन में कुशल होना चाहिए, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत रहे, इस हेतु उत्तराखंड पुलिस स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। उत्तराखंड पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड द्वारा जारी खेलों का वार्षिक कैलेण्डर समय सारणी के अनुसार जनपद एवं वाहिनियाँ खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करता हैं। जनपद पुलिस का सौभाग्य है कि 20 वीं अंतर्जनपदीय/ वाहिनी राइफल एवं रिवाल्वर शूटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन करने की जिम्मेदारी इस जनपद को प्राप्त हुयी है। उक्त प्रतियोगिता 03 दिवस तक चलेगी। सभी प्रतिभागियों को अपनी दक्षता, निपुणता एवं खेल भावना का परिचय देते हुए खेलों के दौरान उच्च स्तर का अनुशासन बनाये रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, पत्रकार बन्धुओं एवं सभी जनपदों, वाहिनियों से आये पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया गया। महोदय द्वारा मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र महोदय का आभार प्रकट कर कहा कि व्यस्ततम कार्यक्रम होने के बावजूद भी इस कार्यक्रम में आकर प्रतियोगिता का शुभारंभ कर प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की।

प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों, टीम मैनेजरों को शुभकामनाएं देते हुए इस 3 दिवस की प्रतियोगिता में उच्च कोटि का अनुशासन के साथ सम्मिलित होने हेतु प्रेरित किया गया।

मुख्य अतिथि करन सिंह नगन्याल, पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र द्वारा अपने संबोधन में कहा कि वेपन्स पुलिस फोर्स का एक महत्वपूर्ण अंग है व शूटिंग प्रतियोगिता खेल का एक अहम हिस्सा है। शूटिंग प्रतियोगिता में सुरक्षा के साथ-साथ मजबूत पकड़ एवं एकाग्र मन होना चाहिए, तभी प्रतिभागी कुशल फायरर बन सकता है। शूटिंग प्रतियोगिता में पुलिस के अच्छे शूटर आगे आयेंगे और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर उत्तराखंड पुलिस का नाम रोशन करेंगे। शूटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के लिए सुव्यवस्था व भव्य कार्यक्रम आयोजित करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गयी।समस्त जनपदों एवं वाहिनियों द्वारा प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए जनपद पुलिस की 07, पीएसी एवं वाहिनीयों की-05, एटीएस-01 कुल 13 टीमों के लगभग 150 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

चार धाम यात्रा का फर्जी रजिस्ट्रेशन करने वाली नोएडा की ट्रैवल एजेंसी पर मुकदमा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश,23 मई,चार धाम यात्रा के लिए यात्रियों का फर्जी रजिस्ट्रेशन करने वाली नोएडा की एक ट्रैवल एजेंसी पर ऋषिकेष में मुकदमा लिखा गया। ऋषिकेश के रजिस्ट्रेशन चैकिंग सेन्टर में चारधाम यात्रा में बाहर से आने वाले यात्रियों की चैकिंग के दौरान झारखंड और अन्य जगहों से आये यात्रियों के 6 सदस्यीय दल का ऑनलाइन यात्रा तिथि रजिस्ट्रेशन चेक करने पर उनका ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फर्जी पाया गया, जिनमें तारिखों में फर्जीवाड़ा करके कूटरचना कर उन्हें बदला गया था। जानकारी होने पर इस सम्बंध में चार धाम यात्रा पर आयी प्रिया कुमारी सिंह, मल्टी लक्सेरिया सिटी, बोकारो झारखण्ड की रहने वाली ने बताया कि उनके द्वारा अपने 6 लोगों का चार धाम की यात्रा के लिये नोयडा की Explore Raahein Travel एजेन्सी के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर वाया गया था, जिसके एवज में उनके द्वारा ट्रैवल एजेन्सी को 65 हजार रूपये का भुगतान किया था। प्रिया ने बताया कि ट्रैवल एजेन्सी में काम करने वाले मोहित रोहिला व उसके साथियों ने उन्हें एक धाम के दर्शन के लिये 22-05-2024 से 25-05-2024 के बीच का रजिस्ट्रेशन करवाने की बात कहते हुए 21-05-2024 की रात में

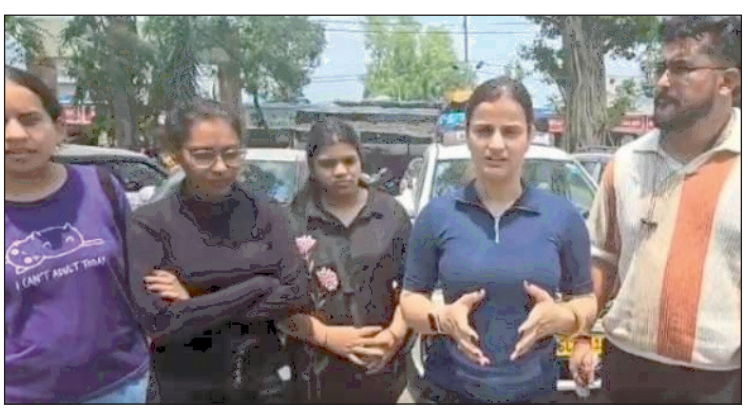

दिल्ली से वाहन के द्वारा से ऋषिकेश भिजवाया और मोहित रोहिला ने हमें व्हाटसएप के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की कॉपी उपलब्ध करायी थी, लेकिन ऋषिकेश आकर हमें जानकारी मिली कि उनके द्वारा फर्जी तरीके से हमारा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन बनाया गया है।

चार धाम यात्रा का फर्जी रजिस्ट्रेशन करने वाली ट्रेवल एजेंसी के खिलाफ पुलिस ने कसा शिकंजा

प्रिया ने इस सम्बंध में प्रिया कुमारी ने थाना ऋषिकेश में सम्बन्धित ट्रैवल एजेन्सी के खिलाफ दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली ऋषिकेश में 261/2024 मुकदमा संख्या,धारा 420, 468, 120 बी भादवि का अभियोग दर्ज किया गया जिसमें अग्रिम कार्यवाही के लिए तत्काल टीम गठित कर नोएडा के लिए रवाना की गई है।

पीड़ित त यात्रियों ने उत्तराखंड पुलिस की सराहना की

ट्रेवल कंपनियां द्वारा किए गए फर्जीवाड़े से पीड़ित इन यात्रियों को आगे की यात्रा के लिये प्रशासन ने ना सिर्फ सहयोग किया बल्कि आगे की यात्रा की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। पुलिस और प्रशासन से मिली सहायता पर यात्रियों ने पुलिस और प्रशासन के सहयोग के लिये उत्तराखण्ड सरकार का आभार प्रकट किया।

पीएनबी बैंक का कर्मचारी बताकर 40 हजार की ठगी

हरिद्वार। केडिट कार्ड की केवाईसी के नाम पर व्हाट्एसप पर भेजे गए लिंक से साइबर ठग ने रानीपुर कोतवाली क्षेत्र निवासी व्यक्ति के साथ 40 हजार 800 रुपये की ठगी कर ली। आरोपियों ने अपने आप को पीएनबी का कर्मचारी बताया था। साइबर क्राइम सेल की जांच के बाद बुधवार को रानीपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।अशोक वाटिका सलेमपुर महदूद निवासी जितेंद्र कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 12 मार्च की शाम को छह बजे उसके मोबाइल फोन पर एक नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने कहा, वह पीएनबी बैंक से बात कर रहा है। झांसा दिया कि क्रेडिट कार्ड का केवाईसी करा लें। ये कहते हुए उसने व्हाटसएप पर एक लिंक भेज दिया। उसे क्लिक करने के लिए कहा।

20 हजार लोगों की पानी की सप्लाई 11 घंटे रही ठप

हरिद्वार। मायापुर, मेला अस्पताल, ब्रह्मपुरी आदि की करीब बीस हजार की आबादी को पेयजल की किल्लत झेलनी पड़ी। मुख्य पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र में करीब 11 घंटे तक पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। पाइप लाइन की मरम्मत के बाद पेयजल की सप्लाई शुरू हो सकी।ललतारौ पुल के पास जल संस्थान की पानी की मुख्य लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इस कारण बड़ी आबादी के सामने पानी की समस्या बन गई। पानी की किल्लत होने के बाद क्षेत्र के लोगों ने पानी ।की वैकल्पिक व्यवस्था अपने स्तर से की। कई लोग पीने के पानी की पूर्ति के लिए हैंडपंप से पानी लाते नजर आए। क्षतिग्रस्त पाइप लाइन की मरम्मत के लिए कर्मचारियों को क्षेत्र में पानी की सप्लाई बंद करनी पड़ी।

सिडकुल में चोरी की फिराक में बैठे दो दोस्त गिरफ्तार

हरिद्वार। सिडकुल क्षेत्र में चोरी करने की फिराक में बैठे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को दोनों को जेल भेज दिया। एसओ मनोहर भंडारी ने बताया कि एएसआई सुभाष रावत टीम के साथ गश्त कर रहे थे। तभी सूचना मिली कि रोशनाबाद पीठ बाजार में लक्ष्मी विद्या मंदिर स्कूल के पीछे दो व्यक्ति छिपकर बैठे हैं और चोरी की फिराक में हैं। पुलिसकर्मियों ने दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया गया। थाना प्रभारी मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि आरोपी आसिफ और सानू निवासीगण मस्जिद वाली गली, रोशनाबाद थाना सिडकुल के कब्जे से आलानकब बरामद हुए हैं।